श्री धर्मपाल की स्मृति में विशेष व्याख्यानमाला

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत संचालित श्री धर्मपाल पुस्तकालय द्वारा श्री धर्मपाल जी की स्मृति में 'श्री धर्मपाल व्याख्यानमाला' का आयोजन श्री धर्मपाल जी के जन्मदिवस, 19 फरवरी को कुलपति की अध्यक्षता में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह अपराह्न 03:30 बजे दूर शिक्षा निदेशालय के सभागार में विचार गोष्ठी के रूप में आयोजित किया जाएगा। यह एक अनूठी व्याख्यानमाला होगी जिससे नई शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन को गति प्रदान की जा सकेगी।

श्री धर्मपाल जी (1922–2006) एक प्रतिष्ठित गांधीवादी विचारक, इतिहासकार और राजनीतिक दार्शनिक थे। उन्होंने ब्रिटिश-भारतीय अभिलेखों का गहन अध्ययन कर औपनिवेशिक शासन से पूर्व भारत की शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों पर महत्वपूर्ण शोध कार्य किया। उनकी पुस्तक 'द ब्यूटीफुल ट्री : इंडिजिनस इंडियन एजुकेशन इन द एटीन्थ सेंचुरी' (1983) में उन्होंने 18वीं सदी में भारत में प्रचलित स्वदेशी शिक्षा प्रणाली का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है। इस पुस्तक में उन्होंने मद्रास, बंगाल और पंजाब प्रेसीडेंसी में व्यापक शैक्षिक संस्थानों की उपस्थिति, उनके पाठ्यक्रम की उच्चता, और 6-15 वर्ष की आयु के लगभग 30% बच्चों की नियमित स्कूल उपस्थिति का उल्लेख किया है। विशेष रूप से इनमें विभिन्न समाजघटकों के विद्यार्थियों की भी महत्वपूर्ण संख्या थी, जो उस समय की समावेशी शिक्षा प्रणाली को दर्शाता है।

इस व्याख्यानमाला का आयोजन मासिक रूप से किया जाएगा और इसे विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर भी प्रसारित किया जाएगा। यह व्याख्यानमाला न केवल धर्मपालजी के कार्यों को स्मरण करेगी, बल्कि वर्तमान शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में उनके विचारों की प्रासंगिकता पर भी चर्चा का अवसर प्रदान करेगी।